EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

अक्टूबर – दिसंबर -2024

॥ एकल ॥

भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान से संबंधित)

विश्व का सर्वश्रेष्ठ सामाजिक शिक्षा संगठन

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad

19 वां संस्करण

राष्ट्रीय महिला विभाग

एकल परिवर्तन के चरण

प्रगत संच – स्वावलंबन- पंचमुखी योजनायें

प्राथमिक शिक्षा योजना :-

1. सभी विद्यालय 'अ' अथवा 'ब' के होने चाहिए ।
2. प्रत्येक बालक/बालिका को न्यूनतम एक देशभक्ति गीत कंठस्थ करवाना।
3. प्रत्येक बालक/बालिका को पहाड़ा कंठस्थ करवाना। (उसके स्तर के अनुरूप)

विशेष: विद्यालय एवं बच्चों की नियमितता।

परिणाम - पूर्णतया साक्षर ग्राम बनाना।

ग्रामोत्थान योजना : -

1. प्रत्येक गांव के न्यूनतम 10 घरों में पोषण वाटिका ।
2. हर गांव के न्यूनतम 10 परिवारों में जैविक खेती।
3. प्रत्येक भाग के एक प्रगत संच के घर-घर में कुटीर उद्योग।

परिणाम - 1. कुपोषण की समस्या का समाधान
2. पलायन पर रोक

ग्राम स्वराज योजना :-

1. प्रत्येक ग्रामवासी का बैंक खाता खुलवाना।
2. प्रत्येक परिवार प्रमुख को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में बीमित करवाना।
3. प्रत्येक ग्रामवासी का आधार कार्ड बनवाना।

परिणाम – ग्रामवासियों को जागरूक करना ।

श्री हरि कथा प्रसार योजना:-

1. प्रत्येक ग्राम में साप्ताहिक सत्संग
2. प्रत्येक ग्राम में वर्ष में एक बार कथा
3. प्रत्येक ग्राम में रथ आयोजन।

परिणाम -व्यसन मुक्ति, स्वधर्म के प्रति आत्मीयता

आरोग्य योजना :-

1. सभी घरों में तुलसी पौधा रोपण
2. आवश्यकता अनुसार प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढा ।
3. प्रत्येक घर में लोहे की कढ़ाई का उपयोग करवाना।

परिणाम - एनीमिया की समस्या का समाधान एवं सामान्य रोगों से बचाव।

एकल - वार्षिक योजना पंचांग

अप्रैल - बैसाखी, रामनवमी, विद्यार्थी नामांकन, फोटोग्राफ्स, 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस, शिक्षण सामग्री वितरण, श्रीराम महोत्सव, योजना वर्ग, कार्यालय और गतिविधि विभाग कार्यशाला

मई - बुद्ध पूर्णिमा, STL/TCL (Student Letter/ Teacher Letter) प्रशिक्षण टोली द्वारा प्रभाग स्तर पर नैपुण्य योजना और कार्यालय कार्यशाला

जून - 21 जून विश्व योगा दिवस, 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस, नदी पूजन, गंगा दशहरा।

जुलाई - गुरुपूर्णिमा, दक्षता वर्ग, पौधारोपण, आचार्य सेवाव्रती परीक्षा (भाषा, गणित, सामान्य ज्ञान)

अगस्त - स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल बनाया जाता है।

सितंबर - दुर्गा अष्ठमी, शिक्षण सामग्री सर्वे डीपीएस के लिए, बीडीपी फाइनल रिलीज, पीआरपी फाइनल, अर्धवार्षिक परीक्षा, उपसंच क्रीडा प्रतियोगिता।

अक्टूबर- दशहरा, दिपावली, एसपीआर-1, संच सम्मेलन, संच प्रतियोगिता ग्राम स्वराज संकल्प दिवस (2 अक्टूबर)

नवंबर - गुरु नानक जयंती, चैप्टर को टीएम डिमांड लिस्ट भेजना, 14 नवंबर बाल दिवस, छात्र सम्मेलन।

दिसंबर - गुर गोविन्द सिंह जयंती, पीआरपी चार्ट का ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू।

जनवरी - मकर संक्रांति, लोहड़ी, गणतन्त्र दिवस, ग्राम सर्वेक्षण, 12 जनवरी युवा दिवस और दीवार लेखन।

फरवरी - बसंत पंचमी, वार्षिक उत्सव, सरस्वती पूजा, फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल तैयार करना।

मार्च - होली, पीआरपी रिलीज, बीडीपी फाइनल, वीडीओ फाइनेंस, एसएससी, वार्षिक परीक्षा(संच परिवर्तन) अंचल वार्षिक कार्यक्रम (चयनित आचार्य और सेवाव्रती का सम्मानित)

नोट- अंचल स्तर पर विचार संगोष्ठी एवं वनयात्रा कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है।

स्वयं सिद्ध एवं उद्यमिता

We are not ordinary.

नगर संगठन महिला विभाग - हमारे कार्य

- धन संग्रहण
- संक्रांति उपहार
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- वनयात्रा
- प्रवास
- सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के साथ स्नेह संपर्क

ग्राम संगठन महिला विभाग - हमारे कार्य

1. समिति गठन एवं सक्रियता
2. आचार्य उपहार सम्मान (गुरु पूर्णिमा, शिक्षक दिवस, संक्रांति)
3. मां यशोदा पात्र योजना
4. केयरटेकर मां
5. स्नेह संपर्क परिवार (संच)
6. स्नेह संपर्क परिवार मित्र (अंचल)
7. अभिभावक योजना
8. वनयात्रा योजना
9. वनयात्रा /प्रवास
10. सत्संग योजना
11. स्वयं सहायता योजना (गांव)
12. आरोग्य योजना
13. ग्रामोत्थान योजना
14. स्वावलंबन योजना
15. कार्यालय प्रभारी मां (GKV)
16. वात्सल्य संच, पंचमुखी शिक्षा

सहयोगी कार्य

- ❑ वार्षिक कैलेंडर
- ❑ व्यसन मुक्ति
- ❑ धर्मांतरण
- ❑ गौ रक्षा
- ❑ कुटीर उद्योग
- ❑ शबरी परिवार
- ❑ हनुमान परिवार
- ❑ सैनिक सम्मान
- ❑ पर्यावरण दिवस
- ❑ राखी
- ❑ राष्ट्र चर्चा
- ❑ विद्यालय की गुणवत्ता
- ❑ प्रेरणादायक कहानियां
- ❑ संस्कृति को बढ़ावा
- ❑ युवाओं को प्रोत्साहन

एकल...प्रशिक्षण वर्ग (Training classes)

समिति

SOC
Samiti Orientation Course
प्रत्येक समिति का प्रशिक्षण

कार्यकर्ता

- केन्द्रीय योजना वर्ग
- प्रभाग योजना वर्ग
- दक्षता विकास वर्ग
- अलग-अलग विभागों के वर्ग
- कार्यकर्ता चयन वर्ग
- महिला वर्ग

आचार्य

- कार्यकर्ता चयन वर्ग
- नवीन आचार्य वर्ग (10 दिवसीय)
- आचार्य वार्षिक वर्ग (5 दिवसीय)

ग्राम में गतिविधियाँ -महिला वर्ग एवं प्रशिक्षण

महिला वर्ग सम्पन्न
अंचल-सोनभद्र
संभाग-पूर्वी उत्तर प्रदेश

10 दिवसीय आचार्य वार्षिक अभ्यास वर्ग
अंचल-देहरादून
संभाग – उत्तराखंड
(25 दिसम्बर 2024)

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग
अंचल – लक्ष्मी नगर
संभाग – पश्चिमी उत्तर प्रदेश

श्री दीप कुमार जी

एकल सह अभियान प्रमुख
आरोग्य प्रमुख

एकल संरचना की नई परिभाषा व अनुभव

भगवान....

भ – भूमि – ग्रामोत्थान
जैविक खेती द्वारा भरण पोषण
ग – गगन – शिक्षा
असीमित शिक्षा ज्ञान
व – वायु – आरोग्य
शुद्ध – स्वस्थ पर्यावरण
अ – अग्नि – जागरण
युवा शक्ति में देशभक्ति जागृत करना
न – नीर – संस्कार
संस्कृति व समरसता को साथ लेकर बहते रहना

चरेवेति... चरेवेति...

मैं मूलतः हिमाचल प्रदेश के जिला शिमला, तहसील रोहड़, गांव बटाडी का रहने वाला हूं।
सन 2002 का अंतिम माह और 2003 का प्रारम्भ मैं अभी स्नातक करने के पश्चात आगे की पढ़ाई का विचार व घर के कार्य में व्यस्त होने की सोच ही रहा था कि मुझे एकल में जुड़कर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने उस समय नहीं सोचा था कि मैं एकल के साथ जुड़कर आगे ही आगे बढता जाऊंगा। विषम परिस्थितियों में भी मुझे यह कार्य करने हेतु मेरे प्रेरक के रूप में मेरे माता - पिता और मेरे भैया-भाभी का सहयोग प्राप्त हुआ। इसी बीच में शादी होना और शादी के पश्चात मेरी धर्मपत्नी का मेरा उत्साह बढ़ाते रहने से मैं आगे बढ़ता रहा। घर की जिम्मेदारियां धर्मपत्नी संभालती रही और मुझे राष्ट्र के कार्य के लिये उत्साह देने का कार्य धर्मपत्नी ने किया। भगवान की असीम कृपा से ऐसा परिवार मिलना और ईश्वरीय कार्य में लगना मेरा सौभाग्य था। मैंने अपनी यात्रा एकल में उप संच से प्रारम्भ की थी | लगभग 9 वर्ष हिमाचल में कार्य किया और 2011 से दिल्ली में केंद्र बनाकर कार्य कर रहा हूं। मेरी एकल सेवा आयु 23 वर्ष है। और ईश्वर से प्रार्थना है कि मुझे इस ईश्वरीय कार्य में हमेशा लगाये रखें|
और मैं चलता ही चला गया
जय भारत

एकल संरचना

एकल अभियान (केंद्र) (National)

↓

प्रभाग- (Zone)- 10
एक प्रभाग में 20-30 हजार गाँव

↓

संभाग- राज्य (State)
10-12 अंचल

↓

अंचल- जिला (District)
9-16 संच, 360 – 480 गाँव

↓

संच- तहसील या ब्लॉक (Cluster)
एक संच -30 गाँव

↓

एक गाँव (Village)-
एक विद्यालय, एक आचार्य
25-30 विद्यार्थी, प्रतिदिन 2-3 घंटे

एकल क्यों नही छोड़ा ?------ संगठन ही मेरा परिवार

श्री अजय कुमार
संभाग प्रमुख
दक्षिण हिमाचल

वर्ष 2018 से सेवावृति कार्यकर्ता

किसी गांव में जाना, गांव वालों का हमारे ऊपर एक अटूट विश्वास हम सभी कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा और गर्व की बात है। मैं और मेरा परिवार इसलिए भी आभारी है क्योंकि एकल अभियान के माध्यम से हमने अपने घर में हनुमान चालीसा का पाठ और भोजन मंत्र अपने दैनिक नित्य कर्म में ढाला है।

अनुभव -

प्रवास के दौरान विद्यालय ग्राम इड़ा संच नेरवा अंचल चौपाल में प्रवास में जाना हुआ वहां पर आचार्य के परिवार वाले दैनिक मदिरा सेवन करते थे, सत्संग के माध्यम से हमने एकल के विचार को उन के परिवार में रखा तो उन्होंने मंदिर में देवता को साक्षी मानकर **पूरे परिवार ने व्यसन मुक्ति होने की प्रतिज्ञा ली, जो मेरे लिए बहुत ही गर्व का समय था** वह अनुभव आज जब भी मेरी आंखों के सामने आता है तो एकल में जुड़ने का हर्ष होता है। जब तक शरीर में कार्य करने की क्षमता है तबतक एकल के लिए तन-मन से समर्पित होकर कार्य करूंगा।

शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत मैं आचार्य के रूप में एकल अभियान में कार्य करने लगा, बच्चों को पढ़ाना एवं शिक्षा प्रदान करना मेरे जीवन का उद्देश्य था।

श्री संजीव कुमार
संभाग प्रमुख
उत्तर हिमाचल

अनुभव -

प्रतिदिन प्रवास करना प्रतिष्ठित लोगों से मिलना, संगठन से जुड़े महापुरुषों के विचारों को सुनने से मेरे जीवन में बहुत ही सकारात्मक बदलाव आया। **संगठन शिल्पी बनने हेतु कठिन संघर्ष भी करना पड़ा, धीरे-धीरे समय अनुसार दायित्व निभाता चला गया,** सबसे ज्यादा मुझे पालमपुर अंचल में वनयात्रा करवाने का मौका मिला, इससे भी मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, समितियों, वरिष्ठजनों का सहयोग भी काफी मिला। अभियान में कार्य करने पर हमने आज तक जो सीखा है शायद ही कहीं और सीख पाता, यहां पर मैंने जीवन जीने की कला सीखी और सेवा, समर्पण की भावना से राष्ट्र निर्माण की भावना भी सीखी है।

9 मई, 2010 को एकल अभियान में पुवायां अंचल के विस्तार से कार्य करना प्रारंभ किया, जोकि उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिला में स्थित है।

श्री संजय सिंह सूर्या
संभाग प्रमुख
मध्य उत्तर प्रदेश

अनुभव -

मैं समझता हूं एकल में जुड़ने के बाद जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली, **आज मुझे देश के गांवों के लिये कार्य करने में जो आनंद मिलता है वह किसी सरकारी व गैर सरकारी नौकरी में नहीं मिल सकता।** देश के इतने बड़े सामाजिक संगठन में कार्य करने में जो गर्व की अनुभूति होती है, वह आनन्द का विषय है।

हमारे गांव में संघ की शाखा लगती थी मैं उसमें निरंतर जाया करता था। मेरे गांव में गर्म पानी का चश्मा हैं उसमें बहुत सारे पर्यटक आते हैं, मैं दुकान करता था दुकान का अच्छा काम था।

श्री विजय कुमार
संभाग प्रमुख-जम्मू

अनुभव -

दुकान करने के साथ-साथ मैंने संघ का द्वितीय वर्ष कर लिया था इसी बीच हमारे जिला राजौरी में एकल अभियान का कार्य 2008 से प्रारंभ हुआ एकल की बैठकों में जाना तथा छोटे-मोटे कार्यक्रमों में भाग लेना मेरा प्रारंभ हो चुका था, 2010 में एकल अभियान के दक्षता वर्ग में मुझे उपसंच प्रमुख के दायित्व के लिए विभाग प्रचारक द्वारा भेज दिया गया कहा गया कि आपको अपने दुकान के साथ-साथ एकल का काम देखना है, **घर से मैं अकेला पुत्र होने के नाते माता-पिता को भी सहमत किया और संगठन के काम में लग गया**, मुझे दुकान का काम बंद करना पड़ा और 2014 में मुझे अंचल आरोग्य योजना प्रमुख दायित्व संगठन द्वारा दे दिया गया।

श्री रंजीत सिंह
संभाग प्रमुख
पश्चिमी उत्तर प्रदेश

अनुभव -

विगत 18 वर्षों से आचार्य से यात्रा प्रारम्भ की और इतने वर्षों में दो बार ऐसा लगा कि संगठन में कार्य नहीं कर पाएंगे।

एक समय ऐसा आया कि 2009 में सचिवालय में नंबर आ गया लेकिन राष्ट्र हित और देश प्रेम के इस भाव ने मन को झकझोर दिया और लगा कि नहीं यहीं पर संतुष्टि है क्योंकि समाज में काम करने के लिए किसी को आगे आना ही पड़ेगा, तो फिर तुम क्यों नहीं, एक बार माता जी के अस्वस्थ होने पर पिताजी ने कहा आप राष्ट्र के लिए काम कर रहे हैं आप मन से करिए हम आपके साथ हैं पूरा श्रेय परिवार को भी जाता है, जो हमको सहयोग करते हैं लेकिन आज मन ऐसा हो गया है कि सब कुछ निश्चित अभियान ही है यहीं जीवन का सार बन गया है।

अपने आप को संभालकर, संगठन के लिए सरकारी नौकरी को तिलांजलि दे दी

एकल - पंचमुखी शिक्षा

एक गाँव... एकल......
एक विद्यालय...
एक आचार्य...

शिक्षा

स्वास्थ्य

जागरण

संस्कार

स्वावलंबन

सेवा का व्रत लिए....

कार्यकर्ताओं के--प्रेरक अनुभव कथन

श्री सुनील ठाकुर
प्रभाग प्रमुख, P -6

छात्र काल से ही मैं राष्ट्र और समाज के लिए कुछ करने की इच्छा रखता था। एक बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक चल रही थी **विद्यार्थी जीवन में मैंने सोचा कि एक-दो साल RSS के साथ जुड़कर काम कर लूं... समाज सेवा भी हो जाएगा और कुछ ज्ञान भी मिल जाएगा।** परंतु जब मैं धीरे-धीरे राष्ट्रनिर्माण की इस विचारधारा को समझा तो मेरा विचार ही बदल गया और लगा कि जैसे जीवन को एक लक्ष्य मिल गया हो... **और मैं इस प्रकार से जुड़ा कि तब से लेकर आज तक मैं कभी अलग नहीं हो पाया।** एकल के साथ राष्ट्र निर्माण के इस कार्य में जुड़कर कार्य करना मेरे लिए गर्व की बात है।

मेरा मानना है कि हमारा जीवन तभी सफल हो पाता है जब हम राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए कुछ ना कुछ योगदान करके जाएं।

श्री अजय राणा
केन्द्रीय टोली सदस्य
ग्राम संगठन प्रशिक्षक

जो भरा नहीं है भावों से, जिसमें बहती रसधार नहीं,
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं..

युवा जोश था, कुछ कर गुजरने का जज़्बा था, और लगता था कि एक अच्छी नौकरी लग जाए तो जीवन भौतिक सुख समृद्धि के साथ आनंद से कट जाएगी।
मैं एकल अभियान के साथ जुड़कर कार्य कर रहा था थोड़े दिनों के बाद ही वह समय आ गया जब मेरी अच्छी नौकरी लग गई.... **मैं बैग लेकर घर से निकल ही रहा था तभी पिता जी ने पीछे से आवाज लगाई एकल छोड़ दिया क्या ?**

इस शब्द ने मेरे मन में एक द्वन्द पैदा कर दिया...मुझे समझ नही आ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए...परन्तु जब मैंने एकल के राष्ट्रनिर्माणकारी कार्यों के बारे में सोचना शुरू किया तो मेरा विचार बदल गया और मैं एकल के साथ जुड़कर जीवन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। नौकरी के साथ तो मैं अपना जीवन अच्छे से गुजार लेता लेकिन एकल के साथ जुड़कर मुझे लाखों लोगों के जीवन को संवारने का अवसर मिल रहा है।

सेवाव्रती कार्यकर्ता सम्मान (संक्रांति उपहार) -2025

बंदिशों से परे, बुलंद इरादों के साथ...
ध्यान सतत्....लक्ष्य अनंत...

भारत लोक शिक्षा परिषद् राष्ट्रीय महिला विभाग की बहनों द्वारा एवं चैप्टर की बहनों के सहयोग से कुल 9 संभागों में शिक्षित, स्वस्थ एवं समर्थ भारत के निर्माण के लिए समर्पित भाव से सेवारत 1100 कार्यकर्ता बंधुओं एवं बहनों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनवरी 2025 में मकर संक्रांति के पवित्र अवसर पर उपहार स्वरूप डिनर सेट देकर सम्मानित किया गया।

आचार्य उपहार योजना-2025

विद्यालय अभियान का आधार है, आचार्य उसके प्रथम स्तंभ हैं, इस सम्मान से संगठन में अपनापन का अनुभव होगा और संगठन मजबूत भी होगा।

राष्ट्रीय महिला विभाग के अतुलनीय प्रयास से भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित 19,980 एकल विद्यालयों के आचार्यों को उपहार सम्मान प्रदान किया गया।

कानपुर चैप्टर महिला विभाग -

चलो जलाएं शिक्षा का दीप वहां ,जहां अभी अंधेरा है,
24 नवंबर 2024 को बाघपुर और मैथा संच के दो विद्यालयों की वनयात्रा की गई।
ग्राम-बगवट की आचार्या रीना देवी ने बीएड और सुजानपुर ग्राम की आचार्या सौम्या देवी ने बीए, तक शिक्षा ग्रहण की है।

दोनो आचार्या लगभग 10 साल से एकल विद्यालय में बच्चों को शिक्षित कर रही हैं। और बहुत ही लगन से पढ़ाती हैं । ग्राम समिति भी बहुत सक्रिय है, साथ ही आरोग्य सेविका से भी बहनों ने मुलाकात की । इस वनयात्रा में कानपुर चैप्टर के प्रधान डा. ए. एस. प्रसाद जी, संभाग अध्यक्ष डॉ अनुराधा वार्ष्णेय जी, संभाग सचिव राजीव जी, अशोक महरोत्रा जी, स्मिता जी, सरिता जी, शालू चौधरी जी, रेशु अग्रवाल, प्रभाग प्रमुख ओम प्रकाश जी आदि लोग उपस्थिति रहे।

लखनऊ चैप्टर महिला विभाग –

वनयात्रा पर गई बहनों ने अंचल सीतापुर के 10 दिवसीय नवीन आचार्य अभ्यास वर्ग में भी शामिल हुईं, उसके बाद हरदोई अंचल के अटवा विद्यालय ग्राम की वनयात्रा की।

GRC CENTRE पर महिला विभाग द्वारा सभी कार्यकर्ताओं और आचार्यों का सम्मान किया गया और बच्चों को स्वेटर मिठाई, नमकीन आदि चीजें वितरित की गईं।

संत कबीर दास जी

"साईं इतना दीजिये, जा में कुटुंब समाय।
मै भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाय॥"

"गुरू गोविंद दोउ खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरू आपनो, गोविन्द दियो बताय॥"

"ऐसी वाणी बोलिए मन का आप खोए,
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए ||"

"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥"

"माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मन का डार दें, मन का मनका फेर॥"

संत सूरदास जी

जो पै जिय लज्जा नहीं, कहा कहौं सौ बार।
एकहु अंक न हरि भजे, रे सठ 'सूर' गँवार॥

सुनि परमित पिय प्रेम की, चातक चितवति पारि।
घन आशा सब दुख सहै, अंत न याँचै वारि॥

देखो करनी कमल की, कीनों जल सों हेत।
प्राण तज्यो प्रेम न तज्यो, सूख्यो सरहिं समेत॥

असन बसन बहु बिधि दये, औसर-औसर आनि।
मात पिता भैया मिले, नई रुचहि पहिचानि॥

भारत लोक शिक्षा परिषद्, सोनीपत चैप्टर का भव्य उद्घाटन

भारत लोक शिक्षा परिषद्, सोनीपत चैप्टर का भव्य उद्घाटन **रविवार, 8 दिसंबर 2024 को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें सोनीपत के प्रतिष्ठित समाजसेवी सहित लगभग 200 बन्धुओं ने भाग लिया।**

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री महिपाल ढांडा जी (शिक्षा मंत्री, हरियाणा सरकार) को गदा भेंट कर एकल हनुमान बनाया गया। एकल के कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने एकल विद्यालय हेतु 5 लाख रुपये के सहयोग का संकल्प लिया और भविष्य में इस सहयोग राशि को बढ़ाने एवं एकल से जुड़ने की इच्छा भी व्यक्त की। साथ ही सोनीपत चैप्टर के प्रधान श्री महेंद्र कुमार गोयल जी ने इस वर्ष चैप्टर की ओर से 500 एकल विद्यालयों के सहयोग का संकल्प लिया। सोनीपत के चैप्टर के गठन की घोषणा के साथ पूरी चैप्टर टीम का पटके और शाल पहनाकर स्वागत किया गया।

सोनीपत महिला विभाग-

भारत लोक शिक्षा परिषद् सोनीपत चैप्टर महिला विभाग का गठन किया गया जिसमें श्रीमती सुमन रायजादा जी को संरक्षक एवं श्रीमती इंदु दहिया जी को कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया गया, इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला विभाग की चेयरपर्सन श्रीमती दर्शना गोयल जी, उत्तरी दिल्ली चैप्टर की प्रधान श्रीमती साधना गुप्ता जी, महामंत्री श्रीमती रीमा जैन जी, कोषाध्यक्ष श्रीमती बिंदु मित्तल जी, राष्ट्रीय उप प्रधान श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी सहित कई अन्य बहनों ने भाग लिया। श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी ने एकल के बारे में सभी को विस्तार से बताया और एकल में जुड़ने के लिए प्रेरित भी किया।

चैप्टर कार्यक्रम

राष्ट्रीय महिला विभाग की राष्ट्रीय प्रधानश्रीमती सोनल रासीवासिया एवं पूर्वी दिल्ली चैप्टर की प्रधान श्रीमती नीरू बंसल जी के नेतृत्व में अक्षरधाम स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन एवं एकल की संक्रांति और एकल श्रीराम कथा पर चर्चा की गई।

BLSP, दक्षिणी दिल्ली चैप्टर द्वारा भव्य कार्यक्रम "द्रौपदी" का आयोजन
13 अक्टूबर 2024

सहारनपुर चैप्टर- उद्घाटन
3 दिसंबर 2024

वाराणसी चैप्टर - समिति संपर्क
8 दिसंबर 2024

कानपुर चैप्टर-
कंप्यूटर शिक्षा प्रमाण पत्र वितरण
5 दिसंबर 2024

कानपुर चैप्टर-
एकल ऑन व्हील्स - ई रिक्शा से डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ते कदम
17 नवंबर 2024

एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन

द्वारा
5 जनवरी 2025 को भारत मंडपम में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

खेल-कूद

एकल अभियान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उनमें राष्ट्र भावना जागृत करने हेतु ये प्रतियोगिताएं समूचे देश में आयोजित की जा रही हैं। जिसमें बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस प्रतियोगिता को सफल बनाया।

ग्रामोत्थान

एकल ग्रामोथान फाउंडेशन एवं एकल ग्लोबल द्वारा एकल के प्रचार प्रसार के लिए USA में आयोजित कार्यक्रम की झलक।

आरोग्य कैंप

जिन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, वहां पर आरोग्य कैंप के माध्यम से लोगों को घरेलू स्वास्थ्य लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है तथा एकल आरोग्य योजना के साथ जुड़े डा. मनीष पाण्डेय जी के माध्यम से NMO के साथ जुड़े बड़े-बड़े हॉस्पिटल से डाक्टरों को गांव तक ले जाकर 220 आरोग्य कैंप लगाये गए । जिसमें से 170 स्वस्थ शिविरों के लिए भारत लोक शिक्षा परिषद पूर्वी दिल्ली चैप्टर के प्रधान श्री संजय जैन जी द्वारा मेडिसिन उपलब्ध करवाई गई तथा कुछ दवाईयां भारत लोक शिक्षा परिषद, पंचकुला चैप्टर के महामंत्री श्री संजय सिंघला जी के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई।

Environment and Govt. Scheme Awareness programmes

Poshan Vatika

Environment and Govt. Scheme Awareness programmes

Health awareness camp and rally

भारत लोक शिक्षा परिषद् युवा विभाग – एकल रन 3.0

एकल रन के माध्यम से जन-जन तक पहुंच रहा एकल अभियान। लगभग 4 हजार रनर्स ने लिया भाग

एकल युवा BLSP द्वारा जन-जन तक अभियान के पुनीत कार्य को पहुंचाने के लिए रविवार, 1 दिसंबर 2024 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, दिल्ली में 'एकल रन 3.0' का सफल आयोजन किया गया। जिसमें देश विदेश से आये हुए रनर्स ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

एकल युवा BLSP के चेयरमैन श्री यतिन जैन, प्रधान श्रीमती ईशा जैन, महामंत्री श्री सागर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती विधि गोयल सहित पूरी युवा टीम के प्रयास से इतना बड़ा कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल हो पाया।

एकल रन में भारत लोक शिक्षा परिषद, ट्रस्ट बोर्ड, मैनेजिंग कमेटी, चैप्टर एवं महिला विभाग के पदाधिकारी बंधुओं ने भाग लेकर युवा विभाग का मनोबल बढ़ाया।

आगामी कार्यक्रम

महाकुम्भ –प्रयागराज 2025

पौराणिक कथा के मुताबिक, देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन किया गया। इस मंथन के दौरान कई तरह के रत्न उत्पन्न हुए, जिन्हें देवताओं और असुरों ने बांट लिया। समुद्र मंथन के आखिर में भगवान धन्वंतरि अमृत का कलश लेकर प्रकट हुए ।

अमृत पाने की लालसा में देवताओं और असुरों में युद्ध छिड़ गया । इस छीना-झपती में अमृत की कुछ बूंदें धरती के 4 स्थानों, प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिर गईं। माना जाता है कि तभी से इन चार स्थानों पर प्रत्येक 12 साल के अंतराल में कुंभ का आयोजन होता है।

महाकुंभ सिर्फ एक धार्मिक समागम नहीं है, बल्कि आस्था, संस्कृति और इतिहास का संगम है । इस बार प्रयागराज में चल रहे पूर्ण महाकुम्भ का पवित्र संयोग 144 वर्ष बाद आया है । इस बार महाकुंभ में 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है ।

महाकुंभ मेला नही है बल्कि राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है । महाकुंभ कई जातियों, पंथों और विभिन्न क्षेत्रों के लाखों लोगों को एक साथ जोड़ता है, जिससे सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

महाकुंभ मेला 2025 में न केवल आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध करने की क्षमता है, बल्कि इसमें देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की भी अपार क्षमता है ।

संपादक की कलम से......

माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान
राष्ट्रीय महिला विभाग

भाग दौड़ भरी इस भौतिक दुनियां में हम सब अपने लिए सोचते हैं, परन्तु इससे ऊपर हमें उन जरूरतमंद लोगों के लिए भी सोचना चाहिए जिनका हमारे जीवन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से बहुत योगदान रहता है, हमारी सुख सुविधाओं एवं खुशियों के पीछे कई ऐसे लोगों का हाथ होता है जो हमें प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देते हैं।

जैसे आपके घरों में आने वाला अनाज, दूध-दही, सब्जी एवं अन्य कई जीवनोपयोगी वस्तुएं जिसके बिना जीवन की कल्पना भी नही की जा सकती है, ये आते कहाँ से हैं....

बहुत ही विचारणीय प्रश्न है.....हमें सोचना चाहिए....?

ये आते हैं गांवों से... हम सब की जड़ें कहीं न कहीं गांवों से जुडी हुई हैं...यदि हम उन्हें अपने स्नेह से सीचेंगे नही तो वे सूख जाएगीं, और यदि जड़ सूख गयी अर्थात् जब गांव नही बचेंगे तो शहरों का विकास एक कोरी कल्पना मात्र होगी।

मैं आप से इतना ही कहना चाहूंगी कि एकल पूरी निष्ठा से गांवों के सर्वंगीण विकास के लिए अनवरत रुप से कार्य कर रहा है, आप सभी से निवेदन है कि इस पुनीत कार्य में जुड़कर जीवन को सफल बनायें।

जीवन सार्थक तब होता है, जब हम परमार्थ का कार्य करते हैं।

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

आईये अपने सपनों का भारत बनायें और स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें।	
एक एकल विद्यालय	₹ 30,000/- वार्षिक
तीस एकल विद्यालय (परमवीर)	₹ 9,00,000/- वार्षिक
100 एकल विद्यालय (शतकवीर)	₹ 30,00,000/- वार्षिक
1000 एकल विद्यालय (महाशतकवीर)	₹ 30,000,000/- वार्षिक
भारत लोक शिक्षा परिषद् भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (IICA) के अंतर्गत CSR दान के लिए सूचीबद्ध है।	

DONATE NOW

एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-

Only For 80G:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186
Union Bank of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC Code: UBIN0546798

Only for CSR:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C NO. 467902010123677
Union Bank Of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC code: UBIN0546798

For More Info.

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक - श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)

सेन्ट्रल ऑफिस : NS-15, FD Block, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063, 7827207665, 8448386443
ई मेल : administration@blspindia.org, वेबसाइट : www.ekalblspindia.org

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad